

न्यूज ब्रीफ

दूध खरीद में हेराफेरी करने का आरोप

अमृत विचार, हरदोईः कर्से की दूध डॉर्यां पर पशुपालकों से जमकर हेराफेरी किए जाने का मामला सामने आया है, ताजा प्रकरण में कर्से के मोहल्ला बीरीगंज निवासी एक पशुपालक ने डॉर्यां पर दूध खरीद में भी अनियन्त्रितों का आरोप लगाया है। आरोप है कि डॉर्यां संचालक द्वारा दूध का सही मूल्य न देकर पशुपालक के अधिक नुकसान पहुंचाया गया। पीड़ित पशुपालक के अनुसार यदव डॉर्यां पर भैंस का डेढ़ लीटर दूध मात्र 55 रुपये हैं खरीदा गया, जबकि दूध का रेट एनालाइजर मर्शिन से निकाला गया, लेकिन इसके बावजूद डिजिटल रैप्टर उपलब्ध नहीं कराई गई। इससे पशुपालक को फैट और रेट की वास्तविक जनकारी नहीं मिल सकी।

मामूली विवाद में बाइक में लगाई आग

अमृत विचार, मलवां, हरदोईः ग्राम जरेरा बाबट मऊ निवासी श्रवण कुमार ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र बताया कि घरेलू विवाद को लेकर 13 जनवरी को उपर्युक्त भाई बबल ने उसकी बाइक में आग लगा दी, जिससे मोटरसाइकिल रूरी तर जल गई ह। उल्लहाना देवे पर गली-गलीज कर घमंडी दी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज किया है।

नानी के घर गई बालिका लापता

अमृत विचार, मलवां, हरदोईः ब्लाको की गंव नेवादा महाद्वारा मर्यादा गोसावा निवासी अंतीत देवी ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र में कहा है कि उसकी पुत्री रुचि रानी अपनी नानी के घरांग में इंशूरेन्स रुपरुप साई गई थी। जहां से 13 जनवरी को बिना किसी को कुछ बताए कहीं गली गई है।

मिट्टी निकालने पर गिरने की कगार पर पहुंचा घर
अमृत विचार, हरदोईः ग्राम रायपुर निवासी संजीत कुमार ने कोतवाली में दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि गांव में मकान से करीब 200 मीटर दूर एक मकान बनवाया था। जिसमें दबाव पर लौटे नहीं लगते हैं। तथा शर्ट हेतु फंटी जाये हैं। खाली पट्टे द्वारा निकाल दी गई है। जिसके कारण मकान गिरने की विश्वित में हो गया है।



पंखे की खोज

दुनिया का पहला बिजली पंखा अमेरिकी इंजीनियर और आविष्कारक शूयलर स्कॉट व्हीलर ने 1886 में बनाया था। 1882 में व्हीलर को बिजली की क्षमता का अहसास हुआ। उनके द्वारा विकसित पहले बिजली के पंखे में केल दो ब्लेड थे, इसमें एक बेहद खतरनाक खुली मोटर का उपयोग किया गया था। ये पंखा तब डायरेक्ट कर्ट (डीसी) से चलता था। इसे पीलता का बनाया गया था। इसे तब "बज फैन" के नाम से जाना जाता था। संयुक्त राज्य अमेरिका पेटेंट कार्यालय ने 1885-86 को आधिकारिक तौर पर उनके आविष्कार को मंजूरी दी थी।

स्कॉट व्हीलर का ये पंखा बहुत तेजी से लोकप्रिय हुआ था। जल्द ही अमेरिकी इलेक्ट्रिक मोटर कंपनी क्रॉकर एंड कर्टिस इसे बेचने लगी थी। इसी तकनीक के आधार पर फिर सीलिंग फैन और कई तरह के फैन बनाए गए थे। वहाँ काफी हद तक प्रयोग कंडीशनर का आविष्कार भी इसी पंखे को आधार बनार किया गया था। बता दें कि 1890 के दशक में डीसी बिजली सप्लाई की जगह एसी बिजली की सप्लाई घरों में पहुंचने लगी थी। तब ये बिजली के पंखे और कॉम्पैन हो गए थे। 1800 के दशक के अंत से पहले बहुत अधिक गर्म होना एक रोजमर्र की समस्या थी।

वैज्ञानिक परिचय

शूयलर स्कॉट व्हीलर का जन्म 17 मई 1860 को हुआ। उन्हें आधुनिक इलेक्ट्रिक पंखे के आविष्कारक के रूप में जाना जाता है। वर्ष 1882 में उन्होंने पहला व्यावहारिक इलेक्ट्रिक फैन विकसित किया। वे American Institute of Electrical Engineers (AIEE) के संस्थापक सदस्यों में से एक थे, जो आगे चलकर IEEE बना। 20 अप्रैल 1923 को व्हीलर का निधन हो गया।



पृथ्वी अपनी रक्षा कैसे करती है और कैसे जीवन के बने रहने के लिए उपर्युक्त अध्ययन बहुत जरूरी हैं, यह हमें मातृप होता है इन अध्ययनों के डाटा का विश्लेषण करने से। अमजन को विज्ञान की इन गृह बातों से मतलब नहीं कि आकाशगंगा में हमारी पृथ्वी को क्या ज्ञेलन पड़ता है और कैसे यह अपनी रक्षा करती है। पृथ्वी पर दूरसंचार रेडियो तरंगों से होता है और इसमें पृथ्वी के निकट अंतरिक्ष में धूम्रों वाले उन्नत उपग्रह लगातार ऐसी घटनाओं पर नजर रखते हैं, जिनके अत्यधिक गतिविधि से यह प्रभावित होकर जीवन को अस्त-व्यस्त कर सकता है। पृथ्वी के सेहत पर नजर रखने के जो भी उपकरण और सेटेलाइट टेक्नोलॉजी निर्मित की जाती है, उस पर अत्यधिक निवेश की जरूरत होती है।

इसके लिए उन्नत देशों ने

अनेक अंतरिक्ष निगरानी संगठन बनाए हुए हुए हैं। डाटा भी शेयर होता है।

रशियन एकेडमी ऑफ साइंसेज के हायर स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स एंड स्पेस रिसर्च के रिसर्चर्स ने अरासे स्टेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन

हेक्टोमीटर का कॉन्ट्रिनम के बारे

में डिटेल में बताया, जिसे 2017 में खोजा गया था। अरासे, जिसे पहले एक्सप्लोरर शैटोफ ने आरासे स्टेलाइट से सात साल तक डेटा का एनालिसिस किया और पहली बार पृथ्वी के नए रेडियो एमिशन

सूर्यस्त के बाद धरती से निकलता है रहस्यमय विकिरण



2017-2023 के लिए, माइनिंग और मेटलर्जी

कंपनियों के रजिस्ट्रेशन के लगभग एक हजार एपिसोड का एनालिसिस किया। नीचों से पता चला कि सिग्नल का दिखना नियर-अर्थ प्लाज्मा में होता है जो वाले प्रेसेस से जुड़ा है - यह एक ऐसा क्षेत्र है

जार्ड एक्टिंग स्पेस से भरा होता है जो पृथ्वी के मैनेटिक फील्ड और सौलर विंड के असर में चलते हैं। लेखकों के अनुसार, हेक्टोमीटर कंटिन्यूअम डबल प्लाज्मा रेजोन्स के कारण होता है, यह एक ऐसी घटना है जिसमें प्लाज्मा में दो तरह के ऑसिलेशन एक साथ होते हैं: प्लाज्मा का नेतृत्व असिलेशन और पृथ्वी की मैनेटिक फील्ड लाइनों के चारों ओर इलेक्ट्रोनों का धूमना। यह को-इंसिडेंस

अस्थर्या पैदा करता है, जिसके कारण प्लाज्मा

रेडियो एवेंस किलात है। इसके लिए खास हालात

की जरूरत होती है, जैसे एक खास प्लाज्मा डैसिटी

और ज्यादा एन्ड्रोनों वाले गर्म इलेक्ट्रोनों की मौजूदगी।

पता चला कि रेडिएशन सिर्फ़ गत में होता है और

सूरज उगने के एक से तीन घंटे बाद गायब हो जाता है। इस रिजन

या क्षेत्र में अलग-अलग तरह के रेडियो एमिशन

बनते हैं, और उनमें से एक है हेक्टोमीटर का कॉन्ट्रिनम

के लिए उपलब्ध है।

साइंस्ट इसे इस बात से समझते हैं कि सूरज

का सुबह का रेडिएशन प्लाज्मा की डैसिटी बढ़ाता

है और रेडियो वेव बनने के लिए ज़रूरी होता है।

सूरज द्वारा के बाद, सिग्नल भी

तुरंत नहीं दिखता, बल्कि कुछ घंटों बाद दिखता है, जब आयनोस्ट्रीयर को ठंडा होने और माइनिंग और मेटलर्जी कॉम्प्लेक्स के एक्सप्लोरर के प्रैमियर के लिए जरूरी पैरामीटर को ठीक करने का समय मिल जाता है।

रोजाना के साइकिल के अलावा, रेडिएशन में

मौसमी खासियतें भी होती हैं: यह गर्मियों में ज्यादा

टेक्नोलॉजी होता था, पतझड़ और बरंत में कम। 2022

के बीच से, सिग्नल गायब हो गया है। साइंस्ट

इसका कारण सरज का ज्यादा एक्टिव फेज में

बदलना मानते हैं: इन महीनों में, इसकी सतह पर

ज्यादा धब्बे थे, 10.7 सेटीमीटर की बेलंथें पर

रेडियो एमिशन बढ़ा और अल्ट्यूवॉल्यूलेट लेवल

बढ़ा। इस बजह से, प्लाज्मा का स्ट्रक्चर बदल गया,

और कंटीन्यूअम बनने के हालात गायब हो गए।

जाक्सा, या जापान एप्रोसेस एक्सप्लोरर के लिए एजेंसी, जापान की सरकारी एजेंसी है जो रिसर्च, टेक्नोलॉजी

डेवलपमेंट और स्टेलाइट को ऑर्बिट में लॉन्च करने के लिए जिम्मेदार है।

सन 2003 में बनी जाक्सा को जापान के स्पेस

प्रोग्राम को आसान बनाने के लिए तीन अलग-

अलग आर्माइज़ेशन को मिलाकर बनाया गया था।

यह कई बड़े प्रोजेक्ट्स में शामिल रही है, जिसमें

इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन के लिए मॉड्यूल बनाना

और चांद और एस्ट्रोरैयड की स्टॉरी के लिए मिशन

चलाना शामिल है। ज्यादा जानकारी वे लौटने के लिए आप

जाक्सा की ऑफिशियल वेबसाइट पर जा सकते हैं।

रोचक किट्सा

भारत के महान वैज्ञानिक सर चंद्रशेखर वेंकट रमन (सी. वी. रमन) से जुड़ा एक रोचक और प्रेरक किट्सा उनकी खोजी

प्रृथिति को बखूबी दर्शाता है। यह किट्सा उस

खोज की शुरुआत है, जिसने आगे

चलकर उन्हें नांबेल पुस्कार तक

पहुंचाया।

1904 में लॉर्ड रेले को फिजिक्स

का नोबेल मिला था। उन्होंने बताया

था कि आसमान नीला रंग आसमान के

प्रतिविवर के कारण है। सन 1921 में सी.

वी. रमन ब्रिटेन समुद्री मार्ग से जा रहे थे।

जहाज जब गहरे समुद्र में आगे बढ़ रहा

था, तो उन्होंने देखा कि समुद्र का पानी

गहरा नीला दिखाई दे रहा है, लेकिन रमन

को रेले का तर्क संतोषजनक नहीं लगा।

उनका वैज्ञानिक मन इस साधारण से दूर्घ

में भी प्रश्न खोजने लगा कि यदि समुद्र का

रंग केवल आकाश का प्रतिविवर है, तो बादलों के दिनों में भी वह

नीला रंगों में दिखता है?

यही सवाल उनके मन में बस गया। भारत लौटने के बाद

समुद्र की नीली दंगत का रहस्य

उन्होंने साधारण उपकरणों से प्रकाश और तरल पदार्थों पर



मेरी कपानी के अंदर जैसे एक बीज जो मैं कभी नहीं बदलना पाहती, वह हमें दान पर आक्रमित करता। व्यौक्ति मुझे लगता है कि वह अपने अंदर से सबसे अच्छा निकलता है। मैदान के बाहर मुझे गुसा नहीं आता।

-हरमनप्रीत कौर, मूर्ख इंडियन्स की कपानी

हाईलाइट

कर्नाटक को हाराकर विद्वंश विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में बैंगलुरु। दर्शन नालंडे (पांच विकेट) की बहतरीन गेंदबाजी के बाद अमन मोखाडे (138) की शतकीय तथा रविकुमार सर्वथा (नावाद 76) सने अध्यशतकीय पारी की बदौलत विदर्भ में नुगवार को कर्नाटक को 22 गेंदें शेष रहत छह विकेट से हाराकर विजय हजारे ट्रॉफी के फाइनल में जगह बना है। 281 रनों के लाभ की पीछा करने उत्तरी विदर्भ की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने चौथी ही ओवर में अर्थवांश त्रॉफी को दूसरे विकेट के लिए 98 रन देता। 24वें ओवर में अभिलाष शेषी ने ध्वनी श्री (47) को आउटकर दूसरे साथबद्धी की तोड़ा। इसके बाद रविकुमार सर्वथा के साथ अमन मोखाडे ने तीसरे विकेट के लिए 147 रन जोड़े। इस दौरान मोखाडे ने अपना शतक भी पूरा किया। 42वें ओवर में तीसरे विकेट के रूप अमन मोखाडे को विद्वान्तरे ने आउट किया।

स्टार्क और वोल्वार्ट प्लेयर ऑफ द मॅथ बने

दुर्बल। अॉस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क और दक्षिण आफ्रिका की कपानी लौरा वोल्वार्ट ने पुरुषों और महिलाओं के लिए आईसीसी प्लेयर ऑफ द मॅथ का अवॉर्ड जीता है, शनावर प्रश्नन की एक सीरीज के बाद जिसमें उन्होंने कड़ी टकराको पीछे छोड़ा। स्टार्क, जिन्हें ऑस्ट्रेलिया की 4-1 से एंजेज जीत में लेप्लेयर ऑफ द सीरीज चुना गया था, ने दिसंबर में 21.25 की ओवरों से 16 विकेट लिए, साथ ही मध्योंने दौरान तीन टेस्ट में 139 रन भी बनाए। सबसे शनावर प्रश्नन ड्रिस्वेन में दूसरे टेस्ट में प्लेयर ऑफ द मॅथ का था, जहां उन्होंने अपने विकेट लिए और अपने वर्षपूर्ण 77 रन बनाए।

एमेलिया वाल्वर्ड महिला टीम से जुड़ेंगी कोलकाता। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के सूत्रों के अनुसार कोस्टा रिका की पूर्व विश्व कप का एमेलिया वाल्वर्ड आगामी एफीसी महिला लीगर्ड का के लिए भारतीय महिला फुटबॉल टीम में मेट्रो के तौर पर जड़ने वाली है। एआईएफएफ 39 वर्षीय वाल्वर्ड के साथ अनुबंध को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया मैं है। वह 2015 और 2023 फीफी महिला विश्व कप में कोस्टा रिका की मुख्य कोच थी।



नई दिल्ली, एजेंसी

पूर्व कपानी सुनील गावस्कर ने कहा कि उन्हें इस बात पर काफी हैरानी हुई कि राजकोट में दूसरे एकदिवसीय मैच में न्यूजीलैंड ने धूमधारी पिंपांग की अनुकूल पिंपांग विराट कोहली से सिर्फ़ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे थे। खेलने में महारात हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ़ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे थे। इसके साथ ही रविवार को तीसरे ओवर में सभी मैच में खेला जाएगा। गावस्कर ने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा। उन्होंने कहा सिर्फ़ स्पिनरों ने ही नहीं बल्कि उनके (न्यूजीलैंड के) सभी गेंदबाजों ने पिंपांग की धीमी गति का अच्छा तरह से इस्तेमाल किया। ऐसा लगा कि भारत न्यूजीलैंड को लगाया।

260 या 270 रन पर रोक पाएगा। की साझेदारी करके मेहमान टीम की जीत सुनिश्चित की। गावस्कर ने एक आसान जीत होगी। गावस्कर ने मिचेल की भी सरगना को जिन्होंने विल यंग (87) के साथ 162 रन

धूल भरी पिंपांग पर तैयारी करने से मुझे रणनीति बनाने में मदद मिली: मिचेल

राजकोट। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेरिल मिचेल को कहा गया कि लिंकन में न्यूजीलैंड किंपेट की खास तर पर यात्रा करने से उन्हें उपमहाद्वीपी की रिपन की गई धूल भरी पिंपांग में तेयारी करने से महारात हासिल करने में मदद मिली। एकदिवसीय बल्लेबाजों की आईसीसी रैंकिंग में बल्लेबाज विराट कोहली से सिर्फ़ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे थे। खेलने में भारत के खिलाफ उसकी सरजर्मी पर शनावर बल्लेबाजी करते हुए पिंपांग विराट कोहली से सिर्फ़ एक रेटिंग अंक पीछे चल रहे थे। इसके साथ ही रविवार को तीसरे ओवर में सभी मैच में खेला जाएगा।

गावस्कर ने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभी को लगा था कि भारत पिंपांग की धीमी गति का फायदा उठा पाएगा।

उन्होंने कहा मूझे इस बात पर हैरानी हुई कि न्यूजीलैंड इतनी आसानी से जीत वायकौं उनके बल्लेबाजी शुरू करने से पहले सभ